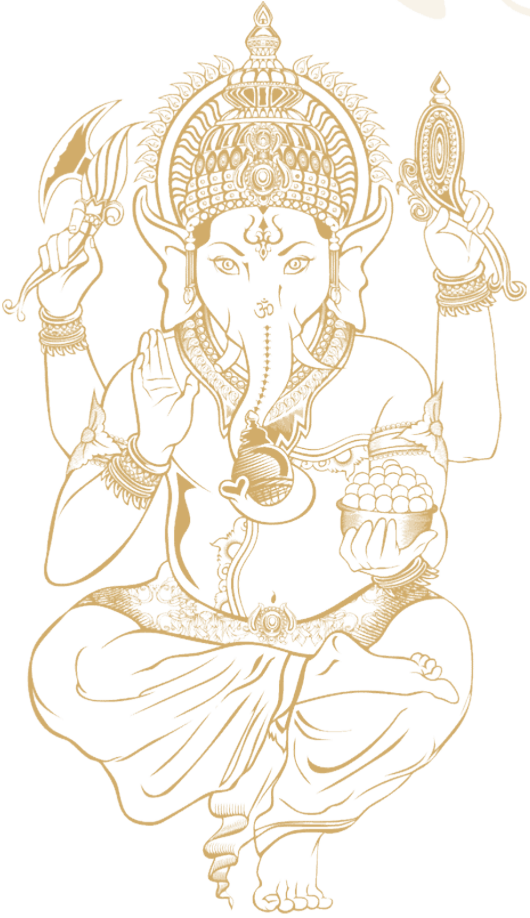

Siddharth Singh

Richa yadav

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121431601

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121431601 Date: 28/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/06/1997	जन्म तिथि	27/01/1999
मंगलवार	दिन	बुधवार
घंटे 08:30:00	जन्म समय	14:05:00 घंटे
घटी 08:06:31	जन्म समय(घटी)	17:52:11 घटी
India	देश	India
Kanpur	स्थान	Lucknow
26:27:00 उत्तर	अक्षांश	26:50:00 उत्तर
80:19:00 पूर्व	रेखांश	80:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:44	स्थानिक संस्कार	-00:06:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:15:23	सूर्योदय	06:54:25
19:01:01	सूर्यास्त	17:43:58
23:49:15	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:29

कर्क	लग्न	वृष
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
कर्क	राशि	वृष
चन्द्र	राशि-स्वामी	शुक्र
आश्लेषा	नक्षत्र	रोहिणी
बुध	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
2	चरण	3
व्याघात	योग	ब्रह्म
बालव	करण	वणिज
डू-डूंगरमल	जन्म नामाक्षर	वी-वीणा
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
विप्र	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	चतुष्पाद
मार्जार	योनि	सर्प
राक्षस	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
श्वान	वर्ग	मृग

SHIV KRIPA JYOTISH SANSTHAN

Lucknow

7007416695

shivkripajyotishsansthan@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 10वर्ष 3मा 26दि		08:02:23	कर्क	लग्न	वृष	25:20:11	चन्द्र 4वर्ष 9मा 18दि	
शुक्र		25:27:49	वृष	सूर्य	मक	13:06:27	राहु	
05/10/2014		21:54:17	कर्क	चंद्र	वृष	16:55:59	15/11/2010	
05/10/2034		02:23:07	कन्या	मंगल	तुला	06:30:25	15/11/2028	
शुक्र	04/02/2018	08:12:53	वृष	बुध	मक	07:44:29	राहु	28/07/2013
सूर्य	04/02/2019	28:07:12	मक व	गुरु	मीन	02:40:31	गुरु	22/12/2015
चन्द्र	05/10/2020	13:26:58	मिथु	शुक्र	कुंभ	04:30:44	शनि	28/10/2018
मंगल	05/12/2021	24:17:30	मीन	शनि	मेष	03:40:45	बुध	16/05/2021
राहु	05/12/2024	00:40:59	कन्या व	राहु व	कर्क	28:21:54	केतु	04/06/2022
गुरु	06/08/2027	00:40:59	मीन व	केतु व	मक	28:21:54	शुक्र	04/06/2025
शनि	05/10/2030	14:32:37	मक व	हर्ष	मक	18:35:11	सूर्य	28/04/2026
बुध	05/08/2033	05:44:47	मक व	नेप	मक	08:12:14	चन्द्र	28/10/2027
केतु	05/10/2034	09:59:08	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	16:04:13	मंगल	15/11/2028

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

23:49:15 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:29

लग्न-चलित

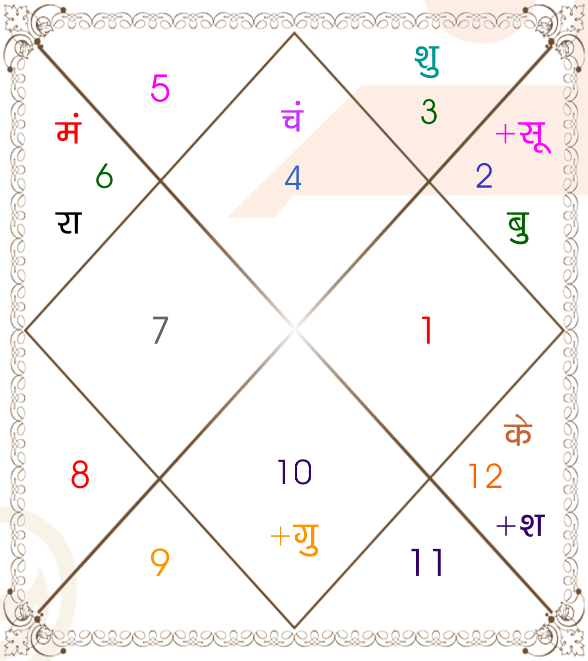

लग्न-चलित

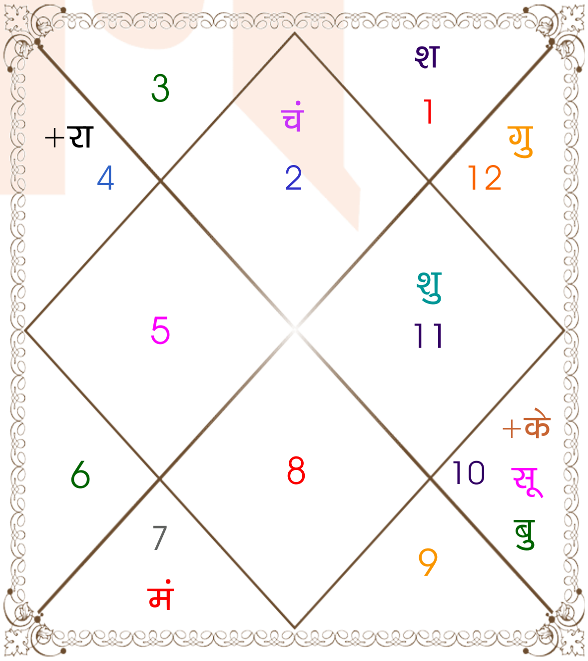

SHIV KRIPA JYOTISH SANSTHAN
Lucknow
7007416695
shivkripajyotishsansthan@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कर्क	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.00		

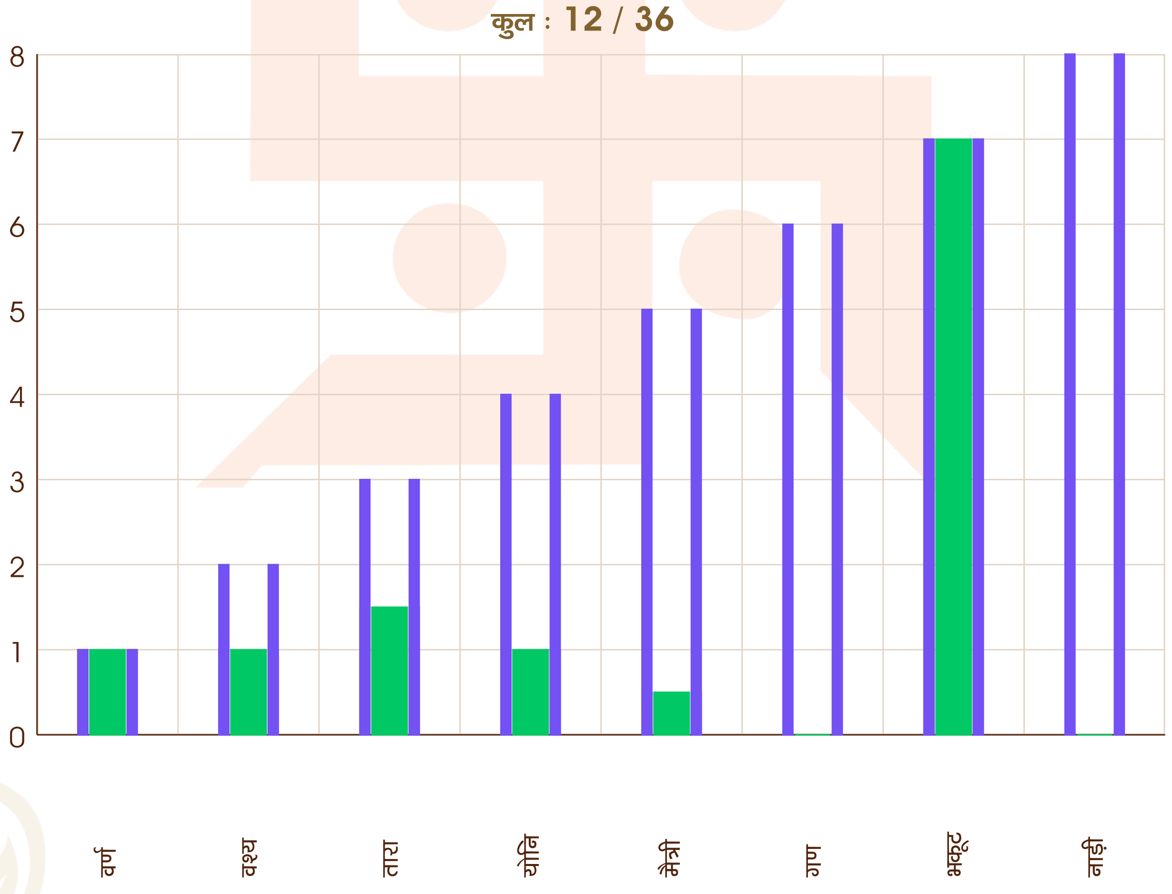

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Richa yadav का नक्षत्र रोहिणी है।

ै पककींतजीं ै पदही का वर्ग श्वान है तथा Richa yadav का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ै पककींतजीं ै पदही और Richa yadav का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ै पककींतजीं ै पदही मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Richa yadav मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

ै पककींतजीं ै पदही तथा Richa yadav में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ैपककींतजीं ैपदही का वर्ण ब्राह्मण तथा Richa yadav का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Richa yadav सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेंगी। Richa yadav मितव्ययी होंगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेंगी।

वश्य

ैपककींतजीं ैपदही का वश्य जलचर है एवं Richa yadav का वश्य चतुष्पद है। अतः यह मिलान औसत मिलान ही है। जलचर एवं चतुष्पद सामान्यतः एक-दूसरे के लिए सम हैं। दोनों के बीच न ही प्रेम की भावना होगी और न ही शत्रुता तथा दोनों का प्रकृति में स्वतंत्र अस्तित्व रहेगा। कुंडली मिलान में दोनों के दृष्टिकोण, सोच एवं व्यवहार में पूर्णतः भिन्नता रहते हुए भी विवाह को स्वीकृति प्रदान की गयी है क्योंकि दोनों एक-दूसरे को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचायेंगे तथा अपने-अपने तरीके से अपने कर्त्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

ैपककींतजीं ैपदही की तारा साधक तथा Richa yadav की तारा प्रत्यरि है। Richa yadav की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह ैपककींतजीं ैपदही एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Richa yadav का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Richa yadav के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। ैपककींतजीं ैपदही अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

ैपककींतजीं ैपदही की योनि मार्जार है तथा Richa yadav की योनि सर्प है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र

की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ैपककींतजीं ैपदही का राशि स्वामी Richa yadav के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Richa yadav का राशि स्वामी ैपककींतजी ैपदही के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

ैपककींतजीं ैपदही का गण राक्षस है तथा Richa yadav का गण मनुष्य है। अर्थात Richa yadav का गण ैपककींतजीं ैपदही के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

भकूट

ैपककींतजीं ैपदही से Richa yadav की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा Richa yadav से ैपककींतजीं ैपदही की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण ैपककींतजीं ैपदही परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर Richa yadav हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी करती रहेंगी।

नाड़ी

ैपककींतजीं ैपदही की नाड़ी अन्त्य है तथा Richa yadav की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ैपककींतजीं ैपदही एवं Richa yadav की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए

खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

ैपककींतजी ैपदही की जन्मराशि जलतत्व कर्क तथा Richa yadav की राशि भूमितत्व युक्त वृष है। जल एवं भूमि तत्व के मध्य नैसर्गिक रूप से मित्रता का भाव रहता है। इसके प्रभाव से ैपककींतजी ैपदही और Richa yadav के मध्य स्वाभाविक समानताएं रहेंगी। अतः वे परस्पर प्रेमपूर्वक रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

ैपककींतजी ैपदही की राशि का स्वामी चन्द्रमा तथा Richa yadav की राशि का स्वामी शुक्र परस्पर शत्रु एवं समराशियो में पड़ते है। अतः इसके प्रभाव से ैपककींतजी ैपदही और Richa yadav के मध्य संबंधों में मित्रता के भाव की अल्पता रहेगी तथा कटुता एवं मतभेदों की प्रबलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करेंगे तथा कमियों पर विषेश ध्यान देकर विवाद तथा मतभेदों में वृद्धि करेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन के सुख में न्यूनता का आभास होगा।

ैपककींतजी ैपदही एवं Richa yadav की राशियां परस्पर एकादश एवं तृतीय भाव में पड़ती हैं। यह एक शुभ भकूट है जिसके प्रभाव से परस्पर सुख सहयोग एवं स्नेह के भाव में वृद्धि होगी तथा उपरोक्त अशुभ प्रभावों में भी न्यूनता का भाव रहेगा। Richa yadav एक आत्मविश्वासी महिला होंगी तथा ैपककींतजी ैपदही का नैतिक सहयोग उनको हमेशा मिलता रहेगा इसके परस्पर विवादों में न्यूनता आएगी तथा प्रसन्नतापूर्वक अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करने में समर्थ रहेंगे।

ैपककींतजी ैपदही का वश्य जलचर तथा Richa yadav का वश्य चतुष्पद है। सामान्यतया जलचर एवं चतुष्पद में नैसर्गिक रूप से समता एवं मित्रता का भाव होता है। अतः ैपककींतजी ैपदही और Richa yadav की अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं समान रहेंगी। जिससे दोनों एक दूसरे को कामभावनाओ में भी सन्तुष्ट एवं प्रसन्न रखने में सफल होंगे

ैपककींतजी ैपदही का वर्ण ब्राह्मण तथा Richa yadav का वर्ण वैश्य है। ैपककींतजी ैपदही की रूचि शैक्षणिक सामाजिक तथा धार्मिक कार्यो के प्रति रहेगी परन्तु Richa yadav हमेशा धनार्जन संबंधी कार्य करेगी तथा व्यापारिक बुद्धि से अपने कार्यो को सम्पन्न करने में प्रवृत रहेगी।

धन

ैपककींतजी ैपदही और Richa yadav की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से धन तथा लाभ प्राप्त करने में दम्पति सफल होंगे। ैपककींतजी ैपदही एवं Richa yadav की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से ैपककींतजी ैपदही और Richa yadav की आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता में वृद्धि होगी तथामंगल

का प्रभाव भी शुभ ही रहेगा। अतः आय स्रोतों में वृद्धि होगी।

ैपकर्कीतजीं ैपदही को लाटरी या सट्टे आदि के द्वारा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है या किसी अन्य स्रोत से एक साथ प्रचुर मात्रा में लाभ के योग बनेंगे। इस प्रकार ैपकर्कीतजी ैपदही और Richa yadav धनऐश्वर्य से युक्त होकर अपना समय व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

ैपकर्कीतजीं ैपदही तथा Richa yadav दोनों की ही अन्त्य नाड़ी है। अतः दोनों नाड़ी दोष से पीड़ित रहेंगे इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक अस्वस्थता के कारण सांसारिक महत्व के कार्यो को करने में परेशानी की अनुभूति होगी। इससे Richa yadav को गले से संबधित कोई परेशानी हो सकती है तथा कफ या वात संबंधी कष्ट का भी सामना करना पड़ेगा। लेकिन मंगल का इन पर कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं रहेगा। अतः रोग की गंभीरता से बचाव रहेगा लेकिन समय समय पर न्यूनाधिक कष्ट की इन्हें अनुभूति होती रहेगी। इसके अतिरिक्त Richa yadav को यदा कदा यौन संबंी गुप्त रोगों का भी सामना करना पड़ सकता है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा जिससे इसकी यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से ैपकर्कीतजी ैपदही और Richa yadav का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त ैपकर्कीतजीं ैपदही और Richa yadav के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Richa yadav के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Richa yadav को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Richa yadav को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से ैपकर्कीतजीं ैपदही और Richa yadav सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्व वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार ैपकर्कीतजीं ैपदही और Richa yadav का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Richa yadav के अपनी सास के साथ संबधों में मधुरता रहेगी तथा इनके मध्य परस्पर सामंजस्य भी रहेगा। साथ ही सास से Richa yadav को कभी भी कोई परेशानी या समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। Richa yadav भी उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा सेवा करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुर पक्ष से Richa yadav को यदा कदा अनावश्यक समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं वे सन्तुष्ट तथा प्रसन्न अल्प मात्रा में ही रहेंगे। तथापि उनका हृदय जीतने के लिए Richa yadav उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी एवं परस्पर सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। साथ ही देवर एवं ननदों से भी Richa yadav के मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की भी न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त परस्पर प्रतिद्वन्दिता तथा आलोचना का भाव रहेगा।

सामान्य रूप से सास ससुर का Richa yadav के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण रहेगा तथा परिवार में उसकी महता को स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

ैपककींतजीै पदही के अपने सास ससुर से संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव तथा मतभेद बने रहेंगे जिसका मुख्य कारण इन के मध्य आयु का अधिक अंतर रहेगा। इससे इनके मध्य सैद्धांतिक तथा वैचारिक मतभेद सामान्य रूप से विद्यमान रहेंगे। लेकिन यदि ैपककींतजीै पदही तथा उनके सास ससुर परस्पर सामंजस्य को स्थापित करके व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों तथा समस्याओं में काफी न्यूनता हो सकती है।

साथ ही साले एवं सालियों से भी कई क्षेत्रों में असहमति रहेगी तथा संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः आपस में स्नेह सहयोग एवं सहानुभूति के भाव की न्यूनता रहेगी। अतः इन्हें चाहिए कि बुद्धिमता एवं सामंजस्य युक्त प्रवृति से मतभेदों तथा समस्याओं का समाधान करें तथा मित्रता का भाव भी रखें। इससे उपरोक्त मतभेदों में अल्पता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि भी होगी।

इस प्रकार सामान्य रूप सेैपककींतजीै पदही के ससुराल वालों का दृष्टिकोण उनके प्रति अपेक्षित नहीं रहेगा। अतः उन्हें चाहिए कि दामाद के प्रति अपने दृष्टिकोण को विनम्र तथा सहयोग के भाव से युक्त बनाएं।